भारत में कृषि, औद्योगिक एवं उत्पादन सम्बंधित प्रमुख क्रांतियों की सूची

कृषि, औद्योगिक एवं उत्पादन सम्बंधित क्रांतियाँ:

हरित क्रांति: हरित क्रांति का सम्बन्ध कृषि क्षेत्र में उत्पादन तकनीक के सुधार एवं कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने से है। इस क्रांति का श्रेय मैक्सिको के डा. नॉर्मन बोरलॉग और भारत के डा.एम.एस. स्वामीनाथन को जाता है।

पीली क्रांति: खाद्य तेलों और तिलहन फसलों के उत्पादन के क्षेत्र में अनुसन्धान और विकास।

श्वेत क्रांति: दूध के क्षेत्र में क्रांति उत्पन्न करके उत्पादकता बढ़ाने के कार्यक्रमों को ही श्वेत क्रांति का नाम दिया गया। श्वेत क्रांति की गति को और तेज करने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन फ्लड' नमक योजना आरम्भ की गयी। इस क्रांति का श्रेय भारत के डा. वर्गीस कुरियन को जाता है।

नीली क्रांति: मछली उत्पादन के क्षेत्र में हुई प्रगति को नीली क्रांति के रूप में जाना जाता है।

गुलाबी क्रांति: गुलाबी क्रांति झींगा मछली के उत्पादन से सबंधित है।

रजत क्रांति: रजत क्रांति का सबंध अंडे उत्पादन से है।

भूरी क्रांति: उर्वरक उत्पादन और गैर-परंपरागत ईंधन के उत्पादन के क्षेत्र में हुई प्रगति को भूरी क्रांति के रूप में जाना जाता है |

सुनहरी क्रांति: बागवानी व शहद उत्पादन से संबंध रखती है।

बादामी क्रांति: बादामी क्रांति का सबंध मसाले उत्पादन से है।

लाल क्रांति: लाल क्रांति का सबंध मांस और टमाटर के उत्पादन से है।

इन्द्रधनुष क्रांति: इन्द्रधनुष क्रांति का सम्बन्ध सभी क्षेत्रों के उत्पादन में वृद्धि करने से है।

अमृत क्रांति: अमृत क्रांति का सम्बन्ध नदी जोड़ो परियोजना से है। सभी क्रांतियोँ पर निगरानी रखने हेतु क्रांति है।

कृष्ण क्रांति: पेट्रोलियम उत्पादन को बढ़ावा देने से सम्बंधित है।

गोल क्रांति: गोल क्रांति आलू उत्पादन को बढ़ावा देने से सम्बंधित है।

सदाबहार क्रांति: कृषि के समग्र विकास से सम्बंधित है।

सिल्वर फाइबर क्रांति: सिल्वर फाइबर क्रांति का सम्बन्ध कपास उत्पादन को बढ़ावा देने से है।

गोल्डन फाइबर क्रांति: गोल्डन फाइबर क्रांति जूट उत्पादन को बढ़ावा देने से सम्बंधित है।

ब्राउन क्रांति: ब्राउन क्रांति चमड़ा/गैर पारंपरिक (भारत)/कोको उत्पादन को बढ़ावा देने से सम्बंधित है।